पुरुषों में गंजेपन का सुराग मिला

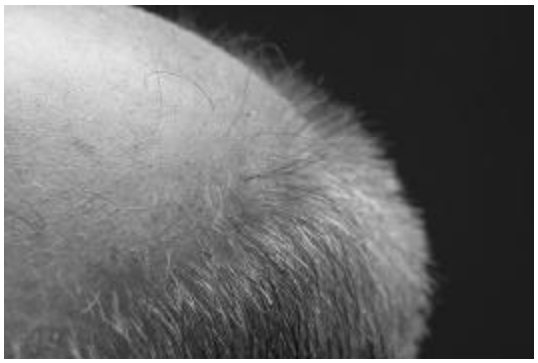

शोधकर्ताओं ने अब पुरुषों में बालों के एक ही पैटर्न में झड़ने का एक और सुराग खोज निकाला है।

हाल ही में *साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसिन* में यह अध्ययन प्रकाशित हुआ है। पता चला है कि एक लिपिड प्रोस्टाग्लैंडिन D_2 (PGD_2) बालों के बढ़ने में बाधा उत्पन्न करता है। स्टेनफोर्ड युनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया के जीव वैज्ञानिक एंथोनी औरो को उम्मीद है कि यह अध्ययन प्रोस्टाग्लैंडिन की शरीर क्रिया पर आधारित नए उत्पादों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

पुरुष पैटर्न गंजापन या एंड्रोजेनेटिक गंजापन लगभग 80 प्रतिशत पुरुषों को प्रभावित करता है। इस गंजेपन का केवल एक ही कारण पता चला था - टेस्टोस्टेरॉन ग्राही में उत्परिवर्तन। मगर यह कारण बहुत कम गंजे पुरुषों में पाया गया है। अन्य कारण अब भी अज्ञात हैं। आजकल इस्तेमाल किए जा रहे उपचार भाग्यवश मिले हैं। जैसे फिनेस्टेरॉइड हार्मोन प्रोस्टेट वृद्धि के लिए और मिनॉक्ज़िडिल उच्च रक्तचाप के लिए दिया जाता था। यह पता नहीं है कि ये उपचार काम कैसे करते हैं।

अन्य कारकों की पहचान के लिए पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के त्वचा विशेषज्ञ जॉर्ज कोट्सारेलिस और उनकी टीम ने गंजेपन से प्रभावित पांच पुरुषों में खोपड़ी के गंजे होते ऊतकों और सामान्य ऊतकों में जींस की अभिव्यक्ति की जांच की। उन्होंने पाया कि जिन ऊतकों में गंजापन दिख रहा था वहां PGD_2 ज़्यादा प्रचुरता में मौजूद था।

उन्होंने यह भी पाया कि चूहों में बालों के विकास के चक्र के दौरान जब बालों की जड़ें कम होने लगती हैं तब PGD_2 की अभिव्यक्ति अपने चरम पर होती है। मनुष्यों और चूहों के संवर्धित ऊतकों में PGD_2 उपचार बालों के विकास में बाधा डालता है।

यह भी पता चला है कि PGD_2 के साथ एक अन्य ग्राही की आवश्यकता होती है। यह ग्राही एलर्जी से सम्बंधित बीमारियों में शामिल है। कुछ कंपनियां पहले से ऐसी दवा का परीक्षण कर रही हैं। यदि इनमें से कोई एक दवा भी इस्तेमाल की जाती है तो यह PGD_2 के ग्राही को निष्क्रिय करेगी और PGD_2 काम नहीं कर पाएगा। तब वह बालों के विकास में बाधा नहीं पहुंचाएगा।

यह अध्ययन पूर्व में किए गए कई अध्ययनों से मेल खाता है जिनमें पाया गया था कि प्रोस्टाग्लैंडिन की बालों के विकास में कुछ भूमिका है। वैसे अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इस तरह का उपचार गंजी हो चुकी त्वचा पर फिर से बाल उगाने में मददगार होगा हालांकि शोधकर्त्ता मान रहे हैं कि यह संभव है। इसके अलावा ऐसा नहीं लगता कि इस तरह के उपचार की कोई भूमिका स्त्रियों के गंजेपन में होगी। ***(स्रोत फीचर्स)***